

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, अलीगढ, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

देशभर के मंदिरों में उमड़ा भक्ति का सैलाब

जन्माष्टमी पर कृष्ण भक्ति में डूबे सीएम योगी

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन ने गुरुवार देर रात 2.55 बजे ईओएस-05 सैटेलाइट का सफल प्रक्षेपण किया। इस उपग्रह को श्रीहरिकोटा प्रक्षेपण केंद्र से शक्ति शाली जीएसएलवी-एफ17 रॉकेट से प्रक्षेपित किया गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसरो के जीएसएलवी-एफ17 के सफल प्रक्षेपण पर खुशी जताई। पीएम मोदी ने जीएसएलवी-एफ17 द्वारा धरती के अवलोकन करने वाले उपग्रह-05 (ईओएस-05) के सफल प्रक्षेपण को शानदार उपलब्धि

संक्षिप्त समाचार

हमसे बेहतर डील कोई नहीं दे सकता: प्रतिबंधों पर भड़का रूस, कहा- भारत को जितनी जरूरत, उतना तेल देने को तैयार

भारत में रूस के राजदूत डेनिस अलीपोव ने कहा है कि भारत को तेल के मामले में कोई अन्य देश हमसे बेहतर डील नहीं दे पा रहा है। उन्होंने ये भी कहा कि भारत को जितने तेल की जरूरत होगी, रूस उसे देगा। रूस के भारत में राजदूत डेनिस अलीपोव ने कहा है कि मॉस्को, नई दिल्ली की ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि भारत को जितनी जरूरत होगी, रूस उतना तेल देने के लिए तैयार है। रूसी राजदूत ने पश्चिमी देशों के उन पर लगाए गए प्रतिबंधों और टैरिफ की तीखी आलोचना की और इसे दबाव बनाने की रणनीति करार दिया। रूसी राजदूत ने क्यों कहा- हमसे बेहतर डील नहीं दे पा रहे देश- रूसी राजदूत ने कहा, भारत ने यह साबित कर दिया है कि वह अपने रुख पर अडिग रहने और अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा करने में सक्षम है। उन्होंने कहा, भारत को जितनी भी जरूरत होगी, हम उतने तेल की आपूर्ति करने के लिए तैयार हैं। भारत को तेल के मामले में हमसे बेहतर डील नहीं दे पा रहे हैं। रूसी राजदूत ने ब्रिक्स समूह में भारत के नेतृत्व की भी तारीफ की और आगामी शिखर सम्मेलन की सफलता में विश्वास व्यक्त किया। अलीपोव ने कहा कि भारत ने ब्रिक्स की अपनी अध्यक्षता की भूमिका बहुत सफलतापूर्वक निभाई है और मौजूदा बहुपक्षीय परियोजनाओं को सुचारू रूप से आगे बढ़ाते हुए नई गति प्रदान की है।

ईओएस-05 सैटेलाइट के सफल प्रक्षेपण को पीएम मोदी ने बताया गौरव का पल, चीन-पाकिस्तान पर नजर रखना होगा आसान



बताया और इसे देश के लिए गौरव का पल बताया। इसरो प्रमुख वी नारायणन ने गुरुवार को एलान किया कि जीएसएलवी-एफ17 यान ने सफलतापूर्वक ईओएस-05 को उसकी निर्धारित कक्षा में स्थापित किया।प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया पर साझा पोस्ट में लिखा, %इसरो की एक और शानदार उपलब्धि और हमारे देश के लिए गौरव का पल। जीएसएलवी-एफ17 से पहले इमेजिन उपग्रह ईओएस-05 का जियोसिनक्रोनस ऑर्बिट में स्थापित करना हमारे अंतरिक्ष क्षेत्र की बढ़ती क्षमताओं का प्रतीक है।%पीएम मोदी ने इसरो और देश के निजी संस्थानों के बढ़ते सहयोग की भी तारीफ की और कहा कि इससे देश का अंतरिक्ष क्षेत्र मजबूत हो रहा है। वहीं ईओएस के सफल प्रक्षेपण पर इसरो प्रमुख वी नारायणन ने खुशी जाहिर करते हुए बताया कि ईओएस-05 के काम शुरू करने के बाद यह भारत को अहम रणनीतिक डेटा देना शुरू कर देगा। इसरो प्रमुख ने बताया कि ईओएस-05 उपग्रह का वजन 2367 किलोग्राम है और यह अच्छी तरह से काम कर रहा है।जन्माष्टमी के मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशवासियों को शुभकामनाएं देते हुए भगवान श्रीकृष्ण के निष्काम कर्म के संदेश को याद किया। उन्होंने कहा कि यह पावन अवसर सभी के जीवन में सकारात्मक ऊर्जा और शक्ति लेकर आए। दूसरी ओर, देशभर में श्रद्धालु मंदिरों में विशेष पूजा और मंगला आरती में शामिल हुए।

दिल्ली से मथुरा, वृंदावन और मुंबई तक मंदिरों में भारी भीड़ दिखाई दी।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जन्माष्टमी के अवसर पर देशवासियों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने भगवान श्रीकृष्ण की शिक्षाओं और निष्काम कर्म के संदेश का उल्लेख करते हुए कहा

कि श्रीकृष्ण के दिव्य संदेश मानवता को लगातार मार्गदर्शन देते रहे हैं। प्रधानमंत्री ने कामना की कि भगवान श्रीकृष्ण की भक्ति और आराधना का यह पावन अवसर हर व्यक्ति के जीवन में सकारात्मक ऊर्जा और शक्ति लेकर आए। उन्होंने देशवासियों को जन्माष्टमी की शुभकामनाएं देते हुए जय श्रीकृष्ण कहा।प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि भगवान श्रीकृष्ण के संदेश में निष्काम कर्म की गहरी प्रेरणा है। उनके अनुसार, यह संदेश लंबे समय से मानवता का मार्गदर्शन करता रहा है। उन्होंने कहा कि जन्माष्टमी भगवान श्रीकृष्ण की भक्ति और आराधना का पवित्र अवसर है। प्रधानमंत्री ने उम्मीद जताई कि यह पर्व सभी के जीवन में सकारात्मक ऊर्जा और शक्ति का संचार करेगा। अमित शाह ने भी एक्स पर पोस्ट कर सभी लोगों को बधाई दी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने क्या संदेश दिया? राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने भी जन्माष्टमी के अवसर पर देशवासियों को शुभकामनाएं दीं।

राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण का जीवन और उनके संदेश भारतीय संस्कृति और दर्शन में नई ऊर्जा भरते हैं। उन्होंने सत्य, धर्म, न्याय, करुणा और निष्काम कर्म के मार्ग पर चलने की अपील की और समावेशी व विकसित भारत के निर्माण में योगदान देने का आह्वान किया।जन्माष्टमी के उत्सव पर देश कृष्णमय है। मंदिरों में भारी भीड़ है और घरों में लोग त्योहार की तैयारियों में जुटे हैं। इस बीच मुंबई शहर अपने मशहूर दही हांडी उत्सव की तैयारियों में जुटा है।देशभर में आज जन्माष्टमी की धूम है। कृष्ण मंदिरों में आरती और भजनों की गूंज सुनाई दे रही है और भारी संख्या में श्रद्धालु पूजा अर्चना के लिए मंदिर पहुंच रहे हैं। वहीं शनिवार को होने वाले

दही हांडी उत्सव के लिए तैयारियां जोरों पर हैं। खासकर मुंबई में दही हांडी को लेकर गजब का उत्साह है। इस दौरान गोविंदाओं की कई टीमें मानव पिरामिड बनाकर सड़क किनारे काफी ऊंचाई पर लटकाए गए दही और दूध से भरे मिट्टी के मटकों को फोड़ेंगे।।कृष्ण जन्माष्टमी, जिसे कृष्णाष्टमी के नाम से भी जाना जाता है, भगवान कृष्ण के जन्म का उत्सव है। भगवान कृष्ण को भगवान विष्णु का आठवां अवतार माना जाता है। महानगर के विभिन्न कृष्ण मंदिरों को फूलों और रंग-बिरंगी रोशनी से सजाया गया है, जहां भक्ति कार्यक्रमों और विशेष पूजा-अर्चना का आयोजन किया जा रहा है।श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर मथुरा पहुंचे सीएम योगी आदित्यनाथ ने श्रीकृष्ण जन्मस्थान में गो-पूजन और भगवान श्रीकृष्ण की विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। मुख्यमंत्री ने श्रद्धालुओं पर पुष्पवर्षा कर जन्माष्टमी की शुभकामनाएं दीं, जिसके बाद पूरा जन्मस्थान परिसर जय श्रीकृष्ण और राधे-राधे के जयघोष से गूंज उठा।श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के पावन पर्व पर मथुरा में भक्ति और आस्था का अद्भुत संगम देखने को मिला। सीएम योगी आदित्यनाथ शुक्रवार सुबह 10 बजे श्रीकृष्ण जन्मस्थान पहुंचे। भगवान श्रीकृष्ण की विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। सीएम योगी के मुख्यमंत्री के जन्मस्थान पहुंचते ही पूरा परिसर भक्तिमय हो गया। श्रद्धालुओं ने जय श्रीकृष्ण और राधे-राधे के जयघोष से वातावरण को गुंजायमान कर दिया। मुख्यमंत्री करीब 30 मिनट तक श्रीकृष्ण जन्मस्थान परिसर में रहे। जन्मस्थान पहुंचने के बाद उन्होंने सबसे पहले गोप पूजन किया। इसके बाद मुख्यमंत्री भागवत भवन पहुंचे, जहां उन्होंने भगवान श्रीकृष्ण के दर्शन किए। उन्होंने

विधि-विधान के साथ पूजा-अर्चना कर प्रदेश और देश की सुख-समृद्धि, शांति और खुशहाली की कामना की।पूजा-अर्चना के दौरान मुख्यमंत्री ने भगवान श्रीकृष्ण के समक्ष देशवासियों के कल्याण और प्रदेश की उन्नति की प्रार्थना की। जन्माष्टमी के अवसर पर श्रीकृष्ण जन्मस्थान में उमड़े श्रद्धालुओं में भी मुख्यमंत्री के आगमन को लेकर खासा उत्साह दिखाई दिया। मुख्यमंत्री ने श्रद्धालुओं पर पुष्प वर्षा कर उन्हें श्रीकृष्ण जन्माष्टमी की शुभकामनाएं दीं। पुष्प वर्षा होते ही श्रद्धालुओं में उत्साह और बढ़ गया तथा पूरा परिसर जयकारों से गूंज उठा।श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि भारत पर कई बार आक्रांताओं ने आक्रमण किए। देश की संस्कृति और सनातन परंपराओं को कमजोर करने के प्रयास भी हुए, लेकिन सनातन की आस्था और विश्वास को कोई डिगा नहीं सका। उन्होंने कहा कि श्रीकृष्ण की जन्मभूमि मथुरा से सनातन संस्कृति, आस्था और आध्यात्मिक शक्ति का संदेश पूरी दुनिया तक पहुंचता है। मुख्यमंत्री के कार्यक्रम को लेकर श्रीकृष्ण जन्मस्थान परिसर और आसपास सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे। पुलिस और प्रशासन के अधिकारियों ने सुरक्षा व्यवस्था की लगातार निगरानी की। बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात रहा। जन्मस्थान की ओर जाने वाले मार्गों पर भी सुरक्षा व्यवस्था कड़ी रखी गई।जन्माष्टमी के मौके पर देशभर से बड़ी संख्या में श्रद्धालु मथुरा पहुंचे हैं। श्रीकृष्ण जन्मस्थान पर सुबह से ही श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ती रही। मुख्यमंत्री के आगमन के दौरान भी श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह रहा। कान्हा की जन्मभूमि पर मुख्यमंत्री के दर्शन और पूजा-अर्चना के साथ जन्माष्टमी का धार्मिक उत्साह और भी बढ़ गया।

लाठी-गोली क्यों चली: बिहार में छात्रों पर कार्रवाई से भड़के राहुल गांधी, भाजपा को क्यों याद दिलाई जवाबदेही?

बिहार में परीक्षा व्यवस्था में कथित अनियमितताओं को लेकर छात्रों का आंदोलन जारी है। राहुल गांधी ने छात्रों से मुलाकात के बाद पुलिस कार्रवाई को लेकर बिहार सरकार और भाजपा पर हमला बोला। उन्होंने पुलिस लाठीचार्ज और गोलीबारी में छात्रों के घायल होने का दावा किया। साथ ही कहा कि युवाओं की आवाज दबाने वाली सत्ता को अंततः जनता को जवाब देना पड़ता है। बिहार में छात्रों पर पुलिस कार्रवाई को लेकर कांग्रेस और भाजपा के बीच सियासी टकराव बढ़ता दिख रहा है। कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने गुरुवार को भाजपा पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि युवाओं की आवाज दबाने वाली सत्ता को आखिरकार जनता को जवाब देना पड़ता है। उन्होंने कहा ने कहा कि वह दिन अब ज्यादा दूर नहीं है। सवाल- राहुल गांधी ने छात्रों से मुलाकात के बाद क्या कहा? जवाब- राहुल गांधी ने बिहार के उन छात्रों और युवाओं से मुलाकात की, जिन्होंने परीक्षा व्यवस्था में कथित अनियमितताओं के खिलाफ आवाज उठाई थी। कांग्रेस सांसद ने इन छात्रों के साथ हुई पुलिस कार्रवाई को बेहद गंभीर बताया। उन्होंने कहा कि इन युवाओं ने सिर्फ निष्पक्ष अवसर की मांग की थी। वे पारदर्शी परीक्षा व्यवस्था और अपने अधिकारों की बात कर रहे थे। राहुल गांधी ने यह सवाल भी उठाया कि ऐसी



मांगों के जवाब में लाठी और गोली चलाने की जरूरत क्यों पड़ी?राहुल गांधी के मुताबिक, पुलिस की लाठियों के साथ एके-47 और पिस्तौल से चली गोलियों में भी कई छात्र घायल हुए। उन्होंने एक ऐसे युवक का जिक्र किया, जो सेना में सेवा देने की तैयारी कर रहा था। राहुल ने दावा किया कि एके-47 की गोली से उसके पैर को गंभीर नुकसान पहुंचा। इस घटना से उस युवक का सेना में जाने का जीवनभर का सपना भी टूट गया। यह दावा राहुल गांधी ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट में किया है।राहुल गांधी के मुताबिक, प्रदर्शन कर रहे युवा तीन प्रमुख बातों की मांग कर रहे थे। निष्पक्ष अवसर- छात्रों का कहना था कि उन्हें आगे बढ़ने के लिए निष्पक्ष और उचित अवसर मिलना चाहिए। उनका विरोध परीक्षा व्यवस्था में कथित अनियमितताओं को लेकर था। पारदर्शी परीक्षा व्यवस्था- युवा परीक्षा प्रक्रिया को पारदर्शी बनाने की मांग कर रहे थे। राहुल ने भी कहा कि वे एक साफ और भरोसेमंद परीक्षा व्यवस्था चाहते हैं। अपने अधिकार- राहुल के मुताबिक, प्रदर्शनकारी युवा अपने अधिकारों के लिए आवाज

उठा रहे थे। इसी को लेकर उन्होंने पुलिस की कार्रवाई पर सवाल खड़े किए।राहुल गांधी ने कहा कि सरकार सिर्फ कुछ निचले स्तर के अधिकारियों को जिम्मेदार बताकर अपनी जिम्मेदारी से नहीं बच सकती। उन्होंने कहा कि इतनी गंभीर पुलिस कार्रवाई के पीछे दो संभावनाएं हैं। पहली, यह ऊपर से मिले आदेश का नतीजा हो सकती है। दूसरी, यह प्रशासन की पूरी तरह विफलता का संकेत हो सकती है। राहुल ने कहा कि किसी भी स्थिति में सरकार अपनी जिम्मेदारी से बच नहीं सकती। बिहार में छात्रों का प्रदर्शन अगस्त के पहले सप्ताह में शुरू हुआ था। प्रदर्शनकारी एक चरण में शिक्षक भर्ती परीक्षा कराने और भर्ती प्रक्रिया में पारदर्शिता की मांग कर रहे थे। पिछले महीने पटना में प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच तीखी झड़प भी हुई थी। प्रदर्शनकारी मुख्यमंत्री आवास की ओर मार्च करने की कोशिश कर रहे थे। इसी दौरान पुलिस और नौकरी के इच्छुक अभ्यर्थियों के बीच टकराव हुआ।बिहार में शुरू हुए इस छात्र आंदोलन को विपक्षी नेताओं का भी समर्थन मिला है। अलग-अलग विपक्षी दलों के नेताओं ने छात्रों की मांगों का समर्थन किया है। आरजेडी के कार्यकारी अध्यक्ष तेजस्वी यादव भी इस आंदोलन के समर्थन में सामने आए हैं। इस तरह छात्रों का यह आंदोलन अब बिहार की राजनीति में भी अहम मुद्दा बन गया है।

कोर्ट की अवमानना पर यूट्यूबर को छह महीने की सजा: शीर्ष अदालत ने लगाई रोक

सुप्रीम कोर्ट ने कोर्ट की अवमानना के मामले में यूट्यूबर गुलशन पाहुजा को फिलहाल राहत दी है। दिल्ली हाईकोर्ट की छह महीने की जेल की सजा पर अगली सुनवाई तक रोक लगा दी गई है और उन्हें अंतरिम जमानत पर रिहा करने का आदेश दिया गया है। हाईकोर्ट ने पाहुजा के वीडियो में तीन न्यायिक अधिकारियों पर व्यक्तिगत हमले और न्याय मिलने को लेकर की गई टिप्पणियों को गंभीर माना था। अब इस मामले की अगली सुनवाई पांच अक्टूबर से शुरू होने वाले सप्ताह में होगी।सुप्रीम कोर्ट ने अदालत की अवमानना के मामले में दोषी ठहराए गए यूट्यूबर गुलशन पाहुजा को फिलहाल बड़ी राहत दी है। दिल्ली हाईकोर्ट ने उन्हें छह महीने की साधारण कैद की सजा सुनाई थी। अब शीर्ष अदालत ने इस सजा पर अगली सुनवाई तक रोक लगा दी है। साथ ही उन्हें अंतरिम जमानत पर रिहा करने का आदेश दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने यूट्यूबर को क्या राहत

दी? जवाब- सुप्रीम कोर्ट में जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस शील नागू की पीठ ने गुलशन पाहुजा की अपील पर सुनवाई की। पाहुजा ने दिल्ली हाईकोर्ट के उस फैसले को चुनौती दी थी, जिसमें उन्हें आपराधिक अवमानना का दोषी ठहराया गया था। पीठ ने कहा कि अपील पर अगली सुनवाई तक उनकी सजा निलंबित रहेगी। इसका मतलब है कि फिलहाल छह महीने की जेल की सजा लागू नहीं होगी। शीर्ष अदालत ने इसके साथ ही पाहुजा को अंतरिम जमानत पर रिहा करने का आदेश दिया।राहत देने के साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने साफ चेतावनी भी दी है। अदालत ने उम्मीद जताई कि पाहुजा उस तरह का आचरण दोबारा नहीं करेंगे, जिसके लिए दिल्ली हाईकोर्ट ने उन्हें कोर्ट की अवमानना का दोषी माना था।सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अगर इस तरह का व्यवहार दोबारा सामने आता है और इसकी जानकारी अदालत को मिलती

है तो अंतरिम राहत वापस ली जा सकती है। यानी फिलहाल मिली राहत आगे के उनके आचरण पर भी निर्भर करेगी।सुप्रीम कोर्ट ने पाहुजा की अपील के साथ उनकी जमानत अर्जी पर भी नोटिस जारी किया है। मामले की अगली सुनवाई पांच अक्टूबर से शुरू होने वाले सप्ताह में होगी। पाहुजा ने सुप्रीम कोर्ट में यह याचिका अधिवक्ता जुगल किशोर गुप्ता के जरिए दाखिल की थी। फिलहाल शीर्ष अदालत ने उनकी छह महीने की सजा पर रोक लगाई है। अप्रैल में गुलशन पाहुजा को कोर्ट की अवमानना का दोषी ठहराया था। मामला उनके यूट्यूब चैनल 'Fight y Judicial Reforms' पर डाले गए वीडियो से जुड़ा था। हाईकोर्ट के मुताबिक, इन वीडियो में कुछ न्यायिक अधिकारियों पर व्यक्तिगत हमले किए गए थे। उच्च अदालत ने माना था कि इस तरह की टिप्पणियां न्यायिक व्यवस्था की गरिमा को कम करती हैं

संपादकीय

Editorial

The Legal Bricks of the CU Campus

The issue escalated, but it never materialized. Ultimately, the Honorable High Court is counting the bricks of the CU campus's Jadrangal campus. Meanwhile, Vice Chancellor Prof. Sat Prakash Bansal, who has been granted an extension at the Dehra campus, is confident that the university will be inaugurated there. Indeed, the pace of the Dehra campus is making the Central University a symbol of an unbroken empire, but Jadrangal has already prepared the legal foundation for its construction. Friday's directives are strict, sharp, and construction-focused, thus tightening the legal reins on the sluggishness of formalities. The story of Dharamshala's North Campus isn't the first time it's been brought to court, but even during the Dhumal-Jairam governments, the campaign wasn't initiated honestly. This is the first instance where politics itself has become a party and misled. Former minister Ravindra Singh Ravi's statements continued to hurt Dharamshala by claiming that the site was unsuitable for any construction. Only Dharamshala's geographical location remained under the strict scrutiny of the seismic zone and the Forest Conservation Act. As a result, all the laboratories and regulations continued to shatter Jadrangal's dreams. Now, with the Jadrangal campus facing the final blow, it is showing its wounds in the High Court. The Honorable Court has taken strong cognizance of the delay in depositing 30 crore rupees under the Forest Conservation Act.

Patience and the campus's fate are at stake in the face of the law. With the dynamism, priority, and advocacy with which the ruling establishment completed construction on half of the Dehra campus, the Jadrangal campus appears abandoned, helpless, and destitute. Now, this same situation is revealing its shackles under the purview of the law, thus serving as a harsh lesson for the Education Secretary. Had the 30 crore rupees been collected by 2023, this campus too would have flourished with the funds available from the Center. Surprisingly, politics played havoc with the so-called winter capital. Dharamshala had excellent medical and educational institutions long before independence, but modern Himachal Pradesh did not allow a medical college or university to be established here. Despite being the sole center of study for Shimla University and having the largest number of academies in various disciplines, it lost the race for a Central University. The state's only college, which has completed a hundred years and continues to highlight the city's educational history, is being stripped of its university status. It is hoped that the High Court, given the gravity of this issue, will deliver a final verdict that will prevent politicization from overstepping its bounds in the education sector. The Honorable Court has now given the government time to take concrete action on this issue and has asked for clarification by September 7th, otherwise the Education Secretary will have to appear in court and explain the government's motives and compulsions. Although the Central University campus in Dharamshala has been a top choice for students and faculty, the politics that has been at its helm has its own biases, which have been frequently demonstrated and proven. Buildings do not constitute an institution, so for the sake of the Central University's reputation, the Dharamshala campus needs to be freed from the clutches of politics. Overall, now the ball is in the government's court and aguiding and historic decision is awaited in this regard.

Initiatives to Bring Equality in Society

The true success of a democratic system lies in its ability to ensure equal justice for every citizen while respecting diversity. Madhya Pradesh approved the Uniform Civil Code Bill. This bill will empower the rights of women and children. A Uniform Civil Code is the foundation of national unity and justice. Recently, the Madhya Pradesh Legislative Assembly approved the Uniform Civil Code (UCC) Bill. With this, Madhya Pradesh joins the ranks of U t t r a k h a n d , Gujarat, and Assam, which have taken concrete initiatives towards a Uniform Civil Code. These initiatives have given new impetus to the national debate on the Uniform Civil Code. Similarly, Bengal has also signaled its initiative on this issue by forming a high-level committee to draft a Uniform Civil Code. On the other hand, the Allahabad High Court, in the case of "R and others vs. State of Uttar Pradesh and others," clarified that no personal law can be an exception to the Prohibition of Child Marriage Act, 2006, and the Protection of Children from Sexual Offences Act, 2012 (POCSO Act). These developments point to the fact that the question of a Uniform Civil Code is no longer merely a matter of ideological debate, but has become a subject of serious consideration at all three levels: legislative, political, and judicial. This has re-established this question, related to personal laws, c o n s t i t u t i o n a l equality, and civil rights, at the center of national discourse. It is noteworthy that in 1995, in the case of Sarla Mudgal vs. Union of India, the Supreme Court stated, "India is a secular democratic republic and religious freedom is its fundamental cultural characteristic. However, religious practices that violate human rights and human dignity constitute oppression rather than freedom. Therefore, a Uniform Civil Code is essential for the protection of oppressed classes and for strengthening national unity and integrity." Nearly three decades after this observation by the Supreme Court, the Uniform Civil Code has not been i m p l e m e n t e d uniformly across the country. The debate over the Uniform Civil Code is not new. During the Constituent Assembly debates, Alladi Krishnaswamy Iyer pointed out that during the British Raj, many civil laws, including criminal law, contract law, and property transfer, were equally applicable to all citizens. According to him, if legal uniformity can be accepted in broader civil life, then it should not be considered unnatural to consider a uniform legal system for marriage, inheritance, and family laws. From the Constituent Assembly debates to the present, fears have been expressed from time to time that a Uniform Civil Code could affect social harmony. In public debates on the Uniform Civil Code, its original purpose was often overlooked, and religious controversies became the focus of discussion. As a result, fundamental issues such as equal rights for women, child rights, and equal civil protection received relatively little discussion. In any democratic society, incomplete truth often proves more dangerous than falsehood, as it overshadows the real issues. This is also evident in the context of the Uniform Civil Code. No religion in the world opposes the dignity of women in its original philosophical form.

However, social, cultural, and legal interpretations often create situations that impact the rights of women and children. The problem lies more in the social structures and practices that are accepted in the name of tradition than in the fundamental teachings of any particular religion. Therefore, the question of equality is not a question of any one community, but of every democratic society. A look back at the pages of history makes it clear that equal civil order is not synonymous with opposition to any particular religion. Turkey is a significant example of this. This country, with a population of approximately 99 percent Muslims, adopted the Civil Code on February 17, 1926, which came into effect on October 4, 1926. Its purpose was not to oppose any religious tradition, but to build a modern nation and establish equal civil rights. Turkey's e x p e r i e n c e demonstrates that periodic refinement of the legal system is essential in democratic societies. Systems that fail to adapt to the changing needs of society and the ideals of equality face difficulties in ensuring equal justice for all their citizens. In the Indian context, the focus of the discussion on a Uniform Civil Code should not be on the identity of any sect or community, but on the preservation of the values ??of equality, dignity, and justice guaranteed by the Constitution. Any legal reform should be evaluated based on the extent to which it strengthens the equal rights and dignity of citizens, especially women and children. The true success of a democratic system lies in its ability to ensure equal justice for every citizen while respecting diversity.

Democracy, Protest, and Public Life

What began as a complaint about a paper leak gradually blossomed into a major movement. Various groups, including activists, artists, farmers' organizations, and opposition parties, joined the movement, driven by personal concerns and political interests. Student protests exposed flaws in the education system. Paper leaks and job shortages became major c o n c e r n s . Institutional reforms and balanced democratic dialogue are needed. The turbulent atmosphere surrounding the student protests has finally calmed down. Only time will tell whether this marks the end of the movement or merely a temporary pause. In a diverse and deeply divided nation and society like ours, there will never be a shortage of divisive issues. Balancing these differences and moving forward in the public interest is always a major challenge. Now that this somewhat heated movement has ended, it is pertinent to consider both aspects: citizens' reactions to it and the role of the government. What began as a complaint about a paper leak gradually blossomed into a major movement. Various groups, including activists, artists, f a r m e r s ' organizations, and opposition parties, joined the movement, driven by personal concerns and political interests. Internet media also played a role in mobilizing public sentiment. Such widespread public anger cannot be fueled solely by misguided forces. Political opportunists can fan such flames, but their spark lies in systemic anomalies that have long been ignored. It's worth noting that the demand for reforms in school education has been ongoing for a long time. Student and teacher a b s e n t e e i s m , untrained teachers, and outdated teaching methods are plaguing government schools and low-cost private institutions. Except for a select few reputable schools, most institutions are struggling to provide even basic education. Lack of adequate preparation for competitive exams has led students to rely on private coaching centers, where quality preparation largely depends on financial status. Even after the "Right to Education" was granted, access to "proper and quality education" remains an unfulfilled goal. A serious challenge in higher education is the severe shortage of seats. Limited seats leave millions of students vulnerable to u n h e a l t h y competition and stress. Whether it's NEET, JEE, CUET, or even the 12th board exams, where performance on a particular day determines a young person's future, many countries have more elaborate systems in place for admission to p r e s t i g i o u s institutions, which evaluate candidates holistically based on school performance, standardized tests, essays, interviews, and extracurricular activities. The essence of this must be internalized: life isn't a T20 game, but a test, where every student deserves a second chance. Conducting exams in multiple stages throughout the year, rather than relying on a single exam, can reduce stress. While stringent measures are necessary to prevent paper leaks, the severity of the problems associated with them will naturally diminish once a single exam no longer dictates fate. Employment is not only a source of income, but also the foundation of self-respect, life purpose, and personal development. Despite this, job expansion has not been sufficiently rapid compared to the working population. India's demographic dividend can only be realized through s u s t a i n e d industrialization and manufacturing-based growth, which can generate large-scale employment. No matter how noble an ideology may be, it should not be allowed to disrupt normal life. The right to protest is fundamental, but the right to law and order and peaceful civil life is equally important. Democratic societies must adopt methods of expressing dissent that do not create disruptions, while the government and administration must also handle the situation with restraint and non-violent measures. While violence is a b s o l u t e l y c o n d e m n a b l e , suppression of protests by excessive force by the state is equally unjustified. Fasts unto death, road blockades, and i n f l a m m a t o r y rhetoric also escalate conflict and derail the rational democratic dialogue. Zen-ji expressions were also an important aspect of this movement. Humor and satire have always played a role in public life, and the new generation has embraced it, presenting their serious political messages with a touch of satire. This symbolizes a shift in traditional norms r e g a r d i n g c o m m u n i c a t i o n etiquette. In this context, the t r a d i t i o n a l perspective of Gen X may be somewhat uncomfortable with this nonchalant approach to change, but its effectiveness must be appreciated. It is said that "be skeptical, not n e g a t i v e . " Communication conducted with sarcasm and humor, without crossing the boundaries of language, can potentially convey a more effective message. In a civilized society, there is no place for indecency and rudeness. Gen X must understand the difference between expression and disrespect. The administration finally responded, albeit under pressure. Fast-track courts were established, promises of stricter laws, and the much-publicized resignation of the Education Minister. The symbolic significance of such a resignation is understandable. But mere symbolism is not enough. The focus must shift to institutional reform. This movement poses a crucial question not only for Zen-ji, but for all generations. Is this an occasion.

जन्माष्टमी पर गौशालाओं में गूँजा गरु-सेवा का संदेश डीएम ने किया गौ-पूजन, गुड़-मिठाई और फल खिलाकर की गौ-सेवा

क्यूँ न लिखूँ सच /ब्यूरो / बरेली। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के पावन पर्व पर शुक्रवार को जिले में श्रद्धा और सेवा का अनुठा संगम देखने को मिला। ग्राम महेशपुर स्थित भोजीपुरा गौशाला, तहसील सदर में गौ-पूजन कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में जॉइंट मजिस्ट्रेट/ उपजिलाधिकारी सदर, थाना प्रभारी भोजीपुरा, तहसीलदार सदर एवं नायब तहसीलदार भोजीपुरा ने विधिवत गौ-पूजन कर गौ-सेवा की। गौवंश को गुड़, चारा एवं अन्य आहार खिलाया गया।

अधिकारियों ने गौशाला की व्यवस्थाओं का निरीक्षण करते हुए गौवंश के संरक्षण एवं समुचित देखभाल की जानकारी ली।

घर-घर बजे बधाई, आज जन्मे कृष्ण कन्हाई

श्री हरि मंदिर में 66वां विराट भक्ति ज्ञान वार्षिक महोत्सव, 188 बच्चों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से मोहा मन

क्यूँ न लिखूँ सच /ब्यूरो / बरेली। श्री हरि मंदिर में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर 66वां विराट भक्ति ज्ञान वार्षिक महोत्सव हर्षोल्लास एवं भक्तिभाव के साथ मनाया गया। श्रीधाम वृंदावन की तर्ज पर सजे भव्य फूल बंगले और ठाकुर जी के दिव्य श्रृंगार ने श्रद्धालुओं का मन मोह लिया।

शाम छह बजे श्री हरि संकीर्तन मंडल के संकीर्तन से कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। इसके बाद बच्चों के सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिसमें 188 प्रतिभाशाली बच्चों ने कृष्ण, राम, हनुमान सहित विभिन्न धार्मिक एवं देशभक्ति प्रस्तुतियों से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। भजनों और नृत्य प्रस्तुतियों पर भक्तजन तालियों के गूँज के बीच झूमते नजर

कैबिनेट मंत्री धर्मपाल सिंह ने कान्हा गौशाला में पूजा-अर्चना कर गौ सेवकों को किया सम्मानित

क्यूँ न लिखूँ सच /ब्यूरो / बरेली। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के पावन अवसर पर प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री धर्मपाल सिंह ने सीबीगंज स्थित कान्हा गौशाला पहुंचकर विधिवत पूजा-अर्चना की और गौमाता का आशीर्वाद लिया। उन्होंने गौशाला का निरीक्षण कर गौवंश के संरक्षण, देखभाल एवं उपलब्ध व्यवस्थाओं की जानकारी ली। इस दौरान मंत्री धर्मपाल सिंह ने निस्वार्थ भाव से गौसेवा में जुटे केयरटेकर्स को माला पहनाकर सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि गौसेवा भारतीय संस्कृति और सनातन परंपरा का अभिन्न हिस्सा है। गौवंश का संरक्षण एवं संवर्धन समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। मंत्री ने गौशाला की व्यवस्थाओं को और बेहतर बनाने तथा गौवंश की सेवा में किसी प्रकार की कमी न रहने के लिए संबंधित अधिकारियों व कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। कार्यक्रम में महापौर उमेश गौतम भी मौजूद रहे।

इस अवसर पर मंत्री ने प्रदेशवासियों को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी की हार्दिक बधाई देते



वहीं, जिलाधिकारी अविनाश सिंह ने भी जन्माष्टमी के अवसर पर प्रातः अपनी गौशाला में गौवंश का पूजन किया। उन्होंने



आए। मंदिर के विशाल नवीन प्रांगण में विद्युत एवं पुष्प सज्जा विशेष आकर्षण का केंद्र रही। आचार्यों द्वारा मंत्रोच्चार के साथ ठाकुर जी का पंचगव्य स्नान कराया गया, जिसके बाद दिव्य श्रृंगार के दर्शन हुए। रात्रि 12 बजे 'आज तेरा अद्भुत हुआ श्रृंगार सांवरे, आज दूल्हा सा लगे मेरा श्याम सांवरे' जैसे बधाई गीतों के बीच भगवान श्रीकृष्ण का

जन्मोत्सव मनाया गया और प्रसाद वितरित किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में मंदिर कमेटी के अध्यक्ष सुशील अरोड़ा, सचिव रवि छाबड़ा, उपाध्यक्ष अश्वनी ओबेरॉय सहित मंदिर समिति एवं महिला समिति के पदाधिकारियों और सदस्यों का विशेष सहयोग रहा। सचिव रवि छाबड़ा ने सभी भक्तजनों को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी की शुभकामनाएं दीं।



हुए सुख, शांति और समृद्धि की कामना की।

शराब की ओवररेटिंग पर प्रशासन का 'शिकंजा'— शिकायत मिलते ही होगी कड़ी कार्रवाई

क्यूँ न लिखूँ सच /ब्यूरो / बरेली। शराब की दुकानों पर निर्धारित मूल्य से अधिक वसूली यानी ओवररेटिंग की शिकायतों को लेकर जिला प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है। शुक्रवार को जिलाधिकारी अविनाश सिंह की अध्यक्षता में कैप कार्यालय में आयोजित समीक्षा बैठक में आबकारी विभाग के अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए गए कि किसी भी दुकान पर निर्धारित मूल्य से अधिक दर पर शराब की बिक्री नहीं होनी चाहिए। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को नियमित फील्ड भ्रमण, आकस्मिक निरीक्षण और प्रवर्तन अभियान



तेज करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ओवररेटिंग मिलने पर संबंधित विक्रेता और दुकान संचालक के खिलाफ नियमानुसार कठोर कार्रवाई की जाए। साथ ही आमजन की शिकायतों का तत्काल निस्तारण सुनिश्चित करने पर जोर दिया। शिकायत के लिए टोल फ्री नंबर 0581-2422202 जारी किया

शीशे वाला मांझा बनाने वालों पर किला पुलिस ने 9 लोगों को किया गिरफ्तार



के घायल होने और पर्यावरण को नुकसान की आशंका रहती है। मामले में मु0अ0सं0 311, 312 एवं 313/2026 के तहत बीएनएस की संबंधित धाराओं और पर्यावरण संरक्षण अधिनियम की धारा 15 में मुकदमे दर्ज किए गए हैं। बरामद सामग्री को परीक्षण के लिए

नहर किनारे स्मैक की खेप लेकर खड़ा था तस्कर, बहेड़ी पुलिस ने दबोचा



लाइनपार, कस्बा व थाना बहेड़ी को करीब 12:45 बजे गिरफ्तार किया गया। आरोपी के कब्जे से 20 ग्राम स्मैक बरामद होने पर

विधि विज्ञान प्रयोगशाला भेजा जा रहा है। कार्रवाई में थाना प्रभारी अचल कुमार सहित किला पुलिस टीम की अहम भूमिका रही। पुलिस ने स्पष्ट किया कि खतरनाक मांझे के निर्माण, भंडारण और बिक्री के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा।

योगशाला में हर्षोल्लास से मनाया श्रीकृष्ण जन्मोत्सव



बिलारी क्यूँ न लिखूँ सच । बिलारी योग परिवार संगठन द्वारा योगशाला में भगवान श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव हर्षोल्लास एवं श्रद्धा के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में योग साधकों ने सहभागिता की और भगवान श्रीकृष्ण के भजनों पर प्रस्तुतियां दीं। योग साधक अपने घरों से श्रीकृष्ण के भोग के लिए विभिन्न प्रकार के बिस्कुट, टॉफी, मिष्ठान, कंदमूल, केले, नाशपाती

आदि प्रसाद के रूप में लेकर आए और उन्हें श्रीकृष्ण की चौकी पर सजाया। भोग लगाने के बाद सभी योग साधकों एवं धर्मप्रेमियों को प्रसाद वितरित किया गया। इस अवसर पर रचना सिंह एवं केपी सिंह की बेटी अनुप्रिया सिंह द्वारा अपने हाथों से बनाई गई भगवान श्रीकृष्ण की सुंदर एवं आकर्षक पेंटिंग योग परिवार को भेंट की गई, जिसकी सभी ने

सराहना की और उसे आशीर्वाद देते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की। बालिका शिक्षा को प्रोत्साहन देने के उद्देश्य से शिक्षिका रेखा सक्सेना एवं रीमा मौर्य ने अनुप्रिया सिंह का उत्साहवर्धन करते हुए संयुक्त रूप से सम्मान किया और आशीर्वाद दिया। साथ ही अनुप्रिया को विशेष रूप से तैयार की गई प्रसाद किट उपहार स्वरूप प्रदान की गई।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

मिशन शक्ति अभियान के तहत महिलाओं को विभिन्न नंबरों और उनके मान सम्मान के बारे में जागरूक कराया

क्यूँ न लिखूँ सच /सिकंदर रजा/ मुरादाबाद थाना सिविल लाइन क्षेत्र जिले अस्पताल में महिलाओं को बताते हुए मिशन शक्ति अभियान के अंतर्गत चल रहे 05 फेज के अंतर्गत महिला



सुरक्षा टीम 06 थाना सिविल लाइन ने जिला चिकित्सालय में महिलाओं को हेल्प लाइन नंबर जैसे 1090 वुमन पावर, 112 आपात कालीन सेवा, 1098 चाइल्ड लाइन, 1076 मुख्यमंत्री हेल्प लाइन, 108 एंबुलेंस सेवा आदि की विस्तृत जानकारी दी गई। mst 06 प्रभारी उप निरीक्षक सर्वेश सिंह महिला हेड कास्टेबल अनीता शर्मा महिला आरक्षी निधि चौधरी चालक आरक्षी विनीत कौशिक

बरेली के मुंडिया अहमदनगर में खुला मंडल का पहला पशु औषधि केंद्र , सस्ती जेनेरिक दवाओं से पशुपालकों की जेब का बोझ होगा कम

क्यूँ न लिखूँ सच /ब्यूरो / बरेली। जिले के किसानों और पशुपालकों के लिए बड़ी राहत भरी खबर है। भारत सरकार के मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय ने बरेली मंडल के पहले पशु औषधि विक्रय केंद्र को हरी झंडी दे दी है। यह महत्वपूर्ण केंद्र रिठौरा क्षेत्र के मुंडिया अहमदनगर में शुरू होने जा रहा है। इस केंद्र के खुलने से अब पशुपालकों को अपने मवेशियों के इलाज के लिए महंगी ब्रांडेड दवाओं पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा, बल्कि उन्हें बेहद सस्ती दरों पर उच्च गुणवत्ता वाली जेनेरिक दवाएं आसानी से उपलब्ध होंगी।

इस जनहितकारी केंद्र को बरेली में स्थापित कराने में मुंडिया अहमदनगर की समाजसेविका लक्ष्मी गंगवार की अहम और सराहनीय भूमिका रही है। लक्ष्मी गंगवार लंबे समय से बेजुबान पशुओं की सेवा और देखभाल में सक्रिय हैं। हालांकि, इलाज के दौरान दवाओं की अत्यधिक लागत उनके और अन्य पशुपालकों के सामने बड़ी चुनौती खड़ी करती थी। इस समस्या के स्थायी समाधान के लिए उन्होंने हार नहीं मानी और कड़ा परिश्रम करते हुए शासन-प्रशासन तथा संबंधित मंत्रालय से लगातार लिखा-पढ़ी की। उनकी इसी लगन का परिणाम है कि आज जिले को पहला जेनेरिक पशु औषधि केंद्र मिल सका है। आर्थिक स्थिति को बड़ा बल मिलेगा, क्योंकि अक्सर मवेशियों की बीमारियों के इलाज में भारी रकम खर्च हो जाती थी। सस्ती दवाएं मिलने से पशुओं का सही समय पर बेहतर इलाज संभव हो सकेगा। इस उपलब्धि पर क्षेत्र के गणमान्य लोगों और ग्रामीणों ने खुशी व्यक्त की है। पूर्व प्रधान वेदप्रकाश पटेल, सुनील पटेल, सचिन पटेल, पूजा मिश्रा, उमेश पटेल, एडवोकेट जसवीर सिंह राणा, डॉ. धीरज पाल गंगवार, अरविंद चौहान तथा डॉ. अर्जुन यादव आदि ने केंद्र की मंजूरी पर प्रसन्नता जताते हुए इसे किसानों और बेजुबान पशुओं के हित में एक ऐतिहासिक और क्रांतिकारी कदम करार दिया है।

पुलिस की तत्परता से परिवार से मिला प्रदीप, मां को सौंपा

बिलारी । चार सितंबर की शाम करीब पांच बजे बिलारी पुलिस को एक बच्चा मिला। बच्चे ने अपना नाम प्रदीप पुत्र जयप्रकाश, निवासी मोहल्ला हर्ष नगर, कस्बा बिलारी बताया। पुलिस ने तत्काल बच्चे के परिजनों की तलाश शुरू कर दी। पुलिस की तत्परता से कुछ ही समय में बच्चे के परिजनों का पता चल गया। पहचान एवं तस्दीक के बाद महिला कांस्टेबल रितिक चौधरी ने बच्चे को उसकी मां के सुपुर्द कर दिया। बच्चे को सकुशल पाकर परिजनों के चेहरे पर खुशी लौट आई। परिजनों ने बिलारी पुलिस एवं महिला कांस्टेबल रितिक चौधरी की तत्परता, संवेदनशीलता और सराहनीय कार्य की भूरि-भूरि प्रशंसा की।



पर श्रीकृष्ण का स्वरूप बनाकर आयोजित कार्यक्रम की ग्रामवासियों ने सराहना की। अमित गुप्ता के शिक्षा एवं समाजसेवा के क्षेत्र में किए जा रहे सराहनीय कार्यों को देखते हुए शिक्षक दिवस पर मित्रों, छात्रों एवं ग्रामवासियों ने उन्हें आदर्श शिक्षक बताते हुए शुभकामनाएं दीं। उनके कार्यों से बिलारी और जनपद मुरादाबाद का नाम प्रदेश स्तर पर गौरवान्वित हुआ है।

A photograph of a patient lying in a hospital bed, covered with a red blanket. The patient is wearing a white headband and has an oxygen mask over their nose. Medical equipment, including a monitor and various tubes, is visible in the background.

The secret to long and shiny hair is 'rice water,' just need to know the right way to use it.

Rice water is a natural and effective remedy for hair loss, dryness, and slow hair growth. Hair loss, dryness, and slow hair growth have become common problems these days. If you're looking for a natural and effective products, rice water is an excellent Asian countries for centuries to Its vitamins B, C, E, and amino acids them from within. Let's learn about water correctly. How to use rice cup of rice thoroughly and soak it Strain the water. After shampooing, scalp. After 5-10 minutes, rinse with Cover rice in water for 24 hours. ready. Store it in the refrigerator. water before use. Fermented water strengthen hair roots and promote one teaspoon of aloe vera gel and a water. Apply it to the scalp and hair This mask is especially beneficial for Spray - Fill rice water in a spray between hair washes. Rinse it out The inositol in rice water repairs the Amino acids nourish the roots, Regular use improves hair texture Precautions: Use no more than 2-3 times a week. Never apply highly fermented water directly; always dilute it. If your scalp is very oily or sensitive, do a patch test first.



solution instead of expensive hair home remedy. It has been used in strengthen, lengthen, and shinier hair. nourish the hair roots, strengthening easy and effective ways to apply rice water? Plain rice water: Wash one in 2-3 cups of water for 30 minutes. gently massage the water into your plain water. Fermented Rice Water - When a mild sour smell appears, it's Mix it with an equal amount of plain is rich in antioxidants, which help growth. Rice Water Hair Mask - Mix few drops of coconut oil with rice lengths and leave it on for 20 minutes. dry and damaged hair. Rice Water bottle and lightly spray it on the scalp after 10 minutes. How does it work? hair cuticle, reducing breakage. making hair thicker and stronger. and maintains its natural shine.

Do you also throw away the peels after squeezing lemons? 7 amazing benefits will change your habit today.

Lemon peels, often considered useless, are actually a treasure trove of nutrients. Often, after squeezing lemon juice, the peels are thrown into the trash, but did you know that the peels we consider useless are actually a priceless treasure of nutrients? calcium, potassium, and antioxidants. When these peels are to be nothing short of miraculous for our health, skin, surprising benefits of lemon peel water. Prevents diseases and amounts of vitamin C and flavonoids. These elements help consume it daily, you can avoid colds, coughs, viral infections, A great remedy for all stomach problems - If you frequently helpful. The fiber and natural enzymes in the peels thoroughly empty stomach in the morning relieves problems like the digestive system healthy. Helpful in weight loss - This water accelerates the body's metabolism and activates the fat-controls hunger, preventing overeating. Bring a natural glow impurities from the body. This detoxification directly reflects pigmentation, and gives your face a beautiful, natural glow. antioxidants present in this water help maintain balanced body, significantly reducing the risk of heart-related diseases. water is also very effective in cleansing the kidneys and liver. increases your energy level, relieving you of day-long fatigue. its antibacterial properties can help. This water eliminates bad breath and oral infections. How to prepare lemon peel lemon peels thoroughly with water. Now, take 2 cups of water for 10 to 15 minutes. After boiling, turn off the heat and let you can add a little honey for flavor. This is a very easy, inexpensive, and completely natural remedy that can improve your health in many wonderful ways.



The truth is, lemon peels are rich in vitamin C, fiber, boiled or soaked in water and consumed, they prove digestion, and immunity. Let's explore the boosts immunity - Lemon peels contain high strengthen the body's immune system. If you and other problems caused by changing weather. experience stomach issues, this water can be very cleanse the stomach. Drinking this water on an constipation, gas, acidity, and indigestion, and keeps is also beneficial for those trying to lose weight. It burning process. Furthermore, drinking it also to your face - Lemon peel water helps flush out on your skin. It reduces acne, blemishes, and Keeps the heart fit - The potassium and excellent blood pressure. It reduces bad cholesterol in the Detox the body and relieve fatigue - Lemon peel It removes harmful substances from the body and Get rid of bad breath - If you suffer from halitosis, bacteria that grow in the mouth, thereby eliminating water? - It's very easy to prepare: First, wash fresh in a vessel, add the peels and boil them thoroughly the water cool. Strain it and drink it. If desired,

Lack of space will no longer be a barrier; grow these 6 vegetables using container kitchen gardening.

If space constraints have prevented you from growing fresh, chemical-free vegetables, this article is especially for you. Grow tomatoes, peppers, spinach, cilantro, eggplant, and radishes easily. Container gardening requires fertile soil, drainage, small corner. Imagine opening your balcony early in the the subtle aroma of coriander, and lush spinach leaves. need a large farm, just a small corner. An old plastic small pot on the windowsill... that's all it takes to create vegetables you can easily grow in containers. Tomatoes - in a pot is the easiest. Simply take a 10-12-inch deep pot, plant. They require good sunlight. The joy you'll unparalleled. Green Chilies - You don't need a large space even an old plastic container can easily grow a chili plant. home-grown chilies are a hundred times better than those vegetables, spinach is the fastest and easiest to grow. You sprinkle the seeds in the soil and water lightly. In just a paneer, or parathas. Coriander - Whether it's a vegetable household. You don't even need to buy seeds from the your kitchen into two pieces and scatter them in the soil kitchen garden very beautiful and fragrant. Eggplant - that's not true. Eggplant plants thrive in a 12-14-inch-deep regularly. In no time, your plant will be laden with round also be easily grown in a container. For this, just keep in the radish gets enough space to grow under the soil. crispy radishes just 30 to 40 days after sowing the seeds. mind: The soil should be excellent: Make sure to mix keep the soil light and will give the plants the strength to grow. Drainage space: It is very important to have holes at the bottom of the container, so that excess water can drain out. Stagnant water can rot the roots of the plants. Adequate sunlight: Vegetable plants need at least 4-5 hours of direct sunlight a day.



Our kitchen is incomplete without tomatoes. Growing them fill it with rich, fertile soil, and plant tomato seeds or a small experience when red, juicy tomatoes grow in your pot is simply to grow spicy and fresh green chilies. A small container or Just keep it in a sunny spot. The taste and aroma of fresh found in the market. Spinach - Among the green leafy don't need a deep pot, but a wide-mouthed container. Simply few weeks, you'll have fresh spinach ready to use in dal, garnish or a green chutney, coriander is a necessity in every market to grow it. Simply break the whole coriander seeds in of a pot. Coriander grows very quickly and makes your You might think that eggplant requires a lot of space, but pot. Simply place the plant in a well-sunlit spot and water or long eggplants. Radish - Radish, the pride of salads, can mind that your pot should be at least 6-8 inches deep, so that Radishes grow very fast and you will get to eat fresh and Before starting container gardening, keep these 3 things in cocopeat and organic manure in the soil of the pot. This will

The pride of a Rajput bracelet... Gangu's pride; these Bhansali heroines rocked the box office, becoming the number one actress.

The heroines in Sanjay Leela Bhansali's films have always featured strong characters, which have also performed exceptionally well at the box office. From Padmaavat to Gangubai, the dialogues of these characters still filmmakers known for their one of those filmmakers whose films heroines, Bhansali excels. From heroines many memorable roles, discussion. Padmaavat - "A Rajput When Deepika Padukone utters of passion in theaters. This Rajput women, was incredibly Padmavati in the film. This line that of a warrior. Goliyon Ki Ki Raasleela Ram-Leela" is one of much-discussed success. A line from Singh, "Shameless, rude, selfish... doesn't always follow rules. sometimes it completely takes over the film were super hits. Bajirao released in the year 2016. From the Priyanka Chopra to the story of the the film were also a big hit. "You happily given it to you... but you by Priyanka Chopra's character Kashibai became so hit that even today people make reels on it. Another dialogue of this film is 'Tell me on whose sword should I lay my head, if falling in love is a sin then punish me.' It was also a huge hit. People often repeat this dialogue of Deepika's character Mastani. Gangubai Kathiawadi - In 2022, Sanjay Leela Bhansali introduced Alia Bhatt as Gangubai. This film proved lucky for Alia and was a box office success. Alia, who played Gangubai in the film, said, "Hey, when women possess power, wealth, and wisdom, then why are these men so proud?" It became a huge hit. Devdas - "I have dealt with love many times... but love only once." This dialogue in the 2002 film Devdas reflects Chandramukhi's thoughts and feelings. She believes that many relationships can be formed in life, but true love happens only once. This gives her character even more depth. Starring Shah Rukh Khan, Aishwarya Rai, and Madhuri Dixit, this film is considered a cult classic. Released on Netflix Who doesn't remember Heeramandi? The series starred Manisha Koirala, Sonakshi Sinha, Aditi Rao Hydari, Richa Chadha, Sharmin Segal, and Sanjeeda Sheikh. The series created a sensation on OTT platforms. Each character in the series was a superhit, and its dialogues became a household name. One thing is certain from these films and series: the heroines in Bhansali's films were never just co-stars. Each of their characters was strong and courageous. This is why every heroine expresses a desire to work in Bhansali's films.



resonate with audiences. Hindi cinema boasts many distinctive work. Sanjay Leela Bhansali, however, is feature powerful characters. When it comes to Paro to Gangubai... Bhansali has given Hindi film even the dialogues in these films have been a topic of bracelet holds as much power as a Rajput sword." this line in the 2018 film Padmaavat, it ignites a wave powerful line, depicting the bravery and courage of powerful. Deepika played the role of Queen demonstrates that a woman's strength is no less than Raasleela Ram-Leela - Released in 2013, "Goliyon Bhansali's most remarkable films, a huge hit and a this film starring Deepika Padukone and Ranveer but love is just like that" was truly remarkable. Love Sometimes it's stubborn, sometimes it's reckless, and the heart. What makes it special is that the songs of Mastani - How can one forget Bajirao Mastani, which songs of this film starring Deepika-Ranveer and film, there was a lot of discussion. The dialogues of could have asked for our life from us, we would have took away our pride from us" This dialogue spoken

Married at 16, mother of four, and rebelling against the British... Leaving her alcoholic husband behind, she became cinema's first 'Hit Maa.'

Hindi cinema's first graduate actress, who married young, fought with her husband, raised her children alone, and even rebelled against the British. There have been many actresses in Bollywood who achieved great success, have transformed them into utter ruin. was a time when Hindi cinema saw a a niche for herself in films. She is even Today, we'll tell you her story... Who we're talking about is Leela Chitnis. family in Karnataka, Leela Chitnis an English professor, so Leela Chitnis of Maharashtra's first female became the mother of four children, undiminished. She joined a Marathi she began pursuing her passion for After this, she entered films. Married British. Leela Chitnis was around 15-Yashwant Chitnis. At a young age, During this time, she and her husband relationship with her husband was not Eventually, she separated from him



Leela started working as a school teacher. Gradually, Leela's journey towards cinema began. Bombay Talkies recognized her talent. Raising four children and managing a household wasn't easy. Finally, Leela Chitnis got her first break with "Gentleman Daku," in which she wore men's clothing. Leela played the role brilliantly. Directors were so impressed by her acting that she was flooded with offers. At that time, Leela was at such a stage in her career that any film she took on would shine. It was during this time that Leela got the opportunity to join Bombay Talkies. However, the film that catapulted Leela Chitnis's career was Kangan, which she did with Bombay Talkies. Leela and Ashok Kumar's performances in the film were highly praised, and the two later appeared in several films together. In 1940, she starred in the film "Bandhan Azad," followed by "Jhoola" in 1941. Meanwhile, in 1941, she made history. She was the first Indian actress to become a Lux Girl and the first Indian actress to endorse the soap brand. Leela Chitnis, cinema's first hit mother, played all kinds of roles throughout her career. She never shied away from any role, and then came a time when she became a hit mother. In the 1948 film Shaheed, Leela played the role of Dilip Kumar's mother for the first time. There were many actresses who played mothers on screen at that time, but Leela was unique. Whenever she played a mother, the audience loved her immensely. She played the mothers of superstars, from Dilip Kumar, Dev Anand, and Raj Kapoor. Despite reaching the peak of her career, Leela Chitnis left the industry after the 1987 film Dil Tujhko Diya. Away from the limelight, Leela settled in America with her children. She was recognized as Maharashtra's first female graduate. She worked for decades, establishing herself in cinema, fighting the British, fighting her husband, and giving many memorable films before breathing her last in America. She passed away in 2003 at the age of 94.

but the hardships of time in their personal lives While today's actresses live a life of luxury, there heroine who, through her own struggles, carved called Hindi cinema's first graduate actress. was cinema's first graduate actress? - The actress Born on September 9, 1909, into a Brahmin came from an educated family. Leela's father was herself was highly educated. She earned the title graduate. She married at the age of 15 or 16. She but her passion for acting remained theater group called "Natyamanvantar." There, acting by performing dramatic and comedy plays. at a young age, she then spoke out against the 16 years old when she married Dr. Gajanan Leela became a mother and had four children. also spoke out against the British. However, her very good. His alcohol addiction troubled her. and focused on raising her children. After this,

36-hour shift, 40 hours of sleep; Priyanka Chahar Chaudhary reveals the excruciating pain of shooting Naagin 7!

After winning hearts with her performance in Ekta Kapoor's show "Naagin 7," Priyanka opened up about one of the toughest times in her life while filming. Priyanka Chahar Chaudhary was about to turn down Naagin 7! The actress revealed her Actress Priyanka Chahar Chaudhary recently appeared on hard work behind her successful career. After winning hearts Priyanka opened up about one of the toughest times in her saying that while shooting for "Battleground," she would "Naagin 7," where she would have another 12-hour shift. between, her schedule would last approximately 36 hours. that she never sleeps during the day, no matter how tired she Priyanka Chahar Chaudhary said, "When I did 'Naagin,' I happened during 'Battleground.' I would shoot for 18 hours 7 in the morning." I would take a quick shower and be on the 9 a.m. to 9 p.m. Priyanka Chahar Choudhary further added, "When you add those 18 and 12 hours to the time spent traveling, getting ready, and trying to sleep, it's almost 36 hours. After about 40 hours, I finally got some sleep. No matter how tired I am, I can't sleep during the day." Priyanka Chahar Choudhary further explained that when she first received the offer for 'Naagin 7,' she wasn't ready to accept it. At the time, she wanted to do a show that emphasized natural and realistic acting, so she had some reservations about signing the project. She revealed that she received the call while she was traveling to the United States and told the team she needed more time to think. Priyanka explained that her team was surprised to hear from her, as the show is one of the biggest in television history. But ultimately, she accepted the offer. Now that "Naagin 7" has ended, the actress has not announced her next project.



work schedule during the show - she could sleep after 40 hours. Farah Khan's vlog, and the episode gave fans a glimpse of the with her performance in Ekta Kapoor's show "Naagin 7," life while filming. Priyanka Chopra revealed her schedule, spend 18 hours on set and then immediately return to the set of Due to traveling, getting ready, and getting very little sleep in She also mentioned taking a short nap only after 40 hours and is. Priyanka worked two shifts. Speaking to Farah Khan, really wanted to do something different. Let me tell you what for 'Battleground.' After finishing there, I would be free at 6 or set of 'Naagin' by 9 a.m. Then I would shoot for 12 hours, from Priyanka explained that her team was surprised to hear from her, as the show is one of the biggest in television history. But ultimately, she accepted the offer. Now that "Naagin 7" has ended, the actress has not announced her next project.